

- उप-, परि- [शा(सा)न्त्, c. 10. : v. To console].
- SOLAND or SOLAN-GOOSE : हंसविशेषः.
- SOLAR : (1) by comp., *s. dynasty* : सूर्यवंशः ; *s. day* : सूर्याहः, Gan. ; *s. rays* : अर्ककिरणाः, Vi. ; (2) सौर (f. री) ; (3) सावन (f. नी).
- SOLDER : I. Verb : संदधाति (धा, c. 3.). II. Subs. : सन्धिः : v. Also cement.
- SOLDIER : (1) सैन्यः (rare), *march of s.s* : सैन्य-निर्याणम्, Mah. ; (2) सैनिकः, *with the cheers of the s.s* : सैनिकहर्षनिःस्वनैः, R. iii. 61. ; (3) योधः (=fighting man), *surrounded by various s.s* : वृतो बहुविधैर्योधैः, Mah. ; (4) मटः (=warrior) ; (5) चमूचरः and sim. comp.s (of a regiment : rare).
- SOLDIER-LIKE, SOLDIERLY : I. Like a soldier : expr. with सैनिकवत् or सैनिक इव. II. Brave, martial : q.v. : *s. conduct* : मटता or भाव्यम्, Vi. vi. 11.
- SOLDIERY : (1) सेना, *encampment of s.* : सेना-निवेशः, R. ; (2) सैन्यम्, *armed s.* : युक्तं सैन्यम्, Mah. iv. 19. 32. ; (3) बलम् : v. Force, army.
- SOLE (adj.) : (1) एक (f. का) : v. Only ; (2) एकमात्र (f. त्रा).
- SOLE (subs.) : I. Of the foot : चरणतलम् and sim. comp.s. II. Of shoe : पादुकातलम् (?). III. A fish : मत्स्यविशेषः.
- SOLECISM : (1) संस्कारच्युतिः, and sim. comp.s ; (2) by adj. : च्युतसंस्कार (f. रा) or च्युतसंस्कृति (mf.), Kav.
- SOLECIST : च्युतसंस्कारपदप्रयोक्तृ (f. क्त्री), and sim. comp.s.
- SOLELY : (1) by adj. एक एव (f. एकैव, n. एकमेव) ; (2) एकमात्रम् : v. Also alone.
- SOLEMN : (1) पुण्य (f. ग्या=holy, sacred : q.v.) ; (2) गम्भीर (f. रा=grave, serious : q.v.). Ph. : *on s. occasions* : यात्रोत्सवादिषु, D. ii.
- SOLEMNITY : I. Ceremony, rite : q.v. : क्रिया. II. Gravity : q.v. : गम्भीर्यम्. III. Sacredness : q.v. : पवित्रता. IV. Pomp : डम्बरः, आ-.
- SOLEMNIZE : I. To perform, celebrate : q.v. : (1) अनुतिष्ठति (स्था, c. 1.) ; (2) सम्पादयति (c. of पद्). II. To dignify : q.v.
- SOLELY : I. As ordained, formally : (1) यथाविधि ; (2) यथाशास्त्रम् ; (3) विधिवत्. II. Gravely, seriously : q.v. : धीरम्. III. With pomp : साडम्बरम्, *s. accepted (her) hand* : जग्राह-विधिवत्पाणी, Mah. i. 70. 18.
- SOLICIT : (1) याचते (याच्, 'c. 1.) : v. To beg : (2) नाथति, -ते, (नाथ्, c. 1. : rare), *who does not s. the lord* : नाथन्ति के नाम न लोकनाथम्, N. iii. 25.
- SOLICITATION : (1) याचना ; (2) प्रार्थना.
- SOLICITOR : I. Lit. : (1) याचक (f. चिका) ; (2) अर्थिन् (f. नी) प्र-, अभि, *although he expressed that he was a s.* : अर्थित्वे प्रकटीकृतेऽपि, Vi. ii. 9. ; (3) अभ्यर्थिन् (f. नी) ; (4) प्रार्थयितृ (f. त्री) ; (5) अभ्यर्थयितृ (f. त्री) ; (6) याचितृ (f. त्री) ; (7) वनीयक (f. यिका : rare). III. In law : *समर्थयितृ (f. त्री).
- SOLICITOR-GENERAL : *व्यवहारसचिवः.
- SOLICITOUS : व्यग्र (f. ग्रा) : v. Anxious, eager.
- SOLICITOUSLY : व्यग्रम् : v. Anxiously, eagerly.
- SOLICITUDE : व्यग्रता : v. Anxiety, eagerness.
- SOLID (adj.) : I. Lit. : स्थूल (f. ला), *s. geometry* : *स्थूलज्यामितिः. II. Substantial, valid : q.v. : सारवत् (f. ती). III. Compact : q.v. : संहत (f. ता).
- SOLID (subs.) : (1) perh. स्थूलम् ; (2) स्थूलपदार्थः and sim. comp.s.
- SOLIDLY : (1) दृढम् : v. Firmly ; (2) गम्भीरम् : v. Deeply ; (3) सम्यक् : v. Thoroughly.
- SOLILOQUY (subs.), SOLILOQUIZE (v.) : expr. with स्वगतम् or आत्मगतम् (=to one's self), "अश्राव्यं खलु यदस्तु तदिह स्वगतं मतम्", Sah. vi. : v. To say, saying.
- SOLITARILY : (1) by adj. : एकाकिन् (f. नी) ; (2) विविक्तम् (= in seclusion).
- SOLITARINESS : (1) विविक्तता : v. Seclusion ; (3) एकाकिता (= state of being alone) ; (3) रहस् (=secrecy : q.v.).
- SOLITARY : I. Single, one : q.v. : एक (f. का). II. Retired, lonely : q.v. : (1) विविक्त (f. क्ता) ; (2) निर्जन (f. ना=unpopulated). III. Living alone : (1) एकाकिन् (f. नी), *although*